

# डैनियल की पुस्तक - संख्या सत्तानवे

एलियाह का त्रिविध अनुप्रयोग: आधुनिक बाबुल के टकराव की भविष्यवाणीय गतिशीलताओं का अनावरण

Jeff Pippenger

2024-02-29

एलियाह का तिहरा अनुप्रयोग अंतिम दिनों के एलियाह के बाह्य पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। एलियाह एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन लोगों के एक आंदोलन का भी। दूत एलियाह के साथ जुड़ने वाले लोगों का आंदोलन लाओदीकिया द्वारा दर्शाई गई अवस्था और अनुभव से बाहर निकाला जाता है।

और एलियाह सब लोगों के पास आकर कहा, तुम कब तक दो मतों के बीच डगमगाते रहोगे? यदि यही परमेश्वर है, तो उसके पीछे चलो; परन्तु यदि बाल है, तो उसके पीछे चलो। और लोगों ने उसे कुछ भी उत्तर नहीं दिया। तब एलियाह ने लोगों से कहा, मैं ही, हाँ मैं ही अकेला, यही का भविष्यद्वक्ता बचा हूँ; परन्तु बाल के भविष्यद्वक्ता चार सौ पचास पुरुष हैं। 1 राजा 18:21, 22.

चाहे पहले स्वर्गदूत के आंदोलन में हो या तीसरे के, उस काल के संदेशवाहक के साथ जुड़ने वाले लोग या तो सर्दिस की कलीसिया द्वारा दर्शाए गए इतिहास से, या लौदिकिया की कलीसिया द्वारा दर्शाए गए इतिहास से बाहर आ गए। दोनों कलीसियाएं एलियाह के उस प्रश्न द्वारा दर्शाई जाती हैं कि लोग दो मतों के बीच कब तक डगमगाते रहेंगे। वे जिन दो मतों के बीच ठहरे रहते हैं, उन्हें हबक्कुक के "विवाद" द्वारा दर्शाया गया है। हबक्कुक के दूसरे अध्याय का "विवाद" सही या गलत पद्धति के बीच का विवाद है। जब उस विवाद का समय आता है, तब चाहे मिलरवादी इतिहास के लोग हों या अंतिम दिनों के इतिहास के लोग, वे इस बात को लेकर अनिश्चित होते हैं कि क्या उन्हें बाइबल उतरना चाहिए, और यदि उतरना चाहिए, तो वे इस बात को लेकर भी अनिश्चित होते हैं कि बाइबल के किस ओर उतरें। इसलिए वे एक भी शब्द उत्तर नहीं देते।

प्रभु ने पहले स्वर्गदूत के इतिहास और तीसरे स्वर्गदूत के इतिहास में एक परीक्षा निर्धारित की, जो यह प्रकट करे कि बहस का कौन-सा पक्ष—धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की धर्मशास्त्रीय पद्धति, या भविष्यवाणी की व्याख्या के मिलर के नियमों की पद्धति, जिसमें फ्यूचर फॉर अमेरिका द्वारा अपनाए गए नियम भी शामिल हैं—वास्तव में उत्तरकालीन वर्षों का संदेश था। संयुक्त राज्य अमेरिका में शीघ्र आने वाले रविवार कानून के साथ आरम्भ होने वाली कर्मल पर्वत की यह परीक्षा यह अपेक्षा करती है कि परमेश्वर यह प्रकट करे कि उसका प्रतिनिधि दूत कौन है, जैसा उसने एलियाह के साथ और 1844 के मिलेराइट इतिहास में किया था। एलियाह के साथ की भाँति, और उन लोगों की तरह जो देखते तो रहे पर कोई पक्ष लेने को अनिच्छुक थे, उस पद्धति की पुष्टि सार्वजनिक भविष्यवाणियों की पूर्तियों से हुई थी और होगी।

दानियेल और यूहन्ना की भविष्यवाणियाँ समझी जानी चाहिए। वे एक-दूसरे की व्याख्या करती हैं। वे संसार को ऐसे सत्य देती हैं जिन्हें प्रत्येक व्यक्ति को समझना चाहिए। ये भविष्यवाणियाँ संसार में गवाही देने के लिए हैं। इन अंतिम दिनों में अपनी पूर्ति द्वारा, वे स्वयं अपनी व्याख्या कर देंगी। Kress Collection, 105.

जब आग उतरकर एलियाह की भेंट को भस्म कर गई, तो परमेश्वर ने चुपचाप देख रहे लोगों को यह प्रमाणित कर दिया कि एलियाह उसका प्रतिनिधि है, पर तब तक अहाब, इज़ेबेल और उसके झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए बहुत देर हो चुकी थी। यह बात मिलेराइट इतिहास में भी 22 अक्टूबर, 1844 से पहले घटी थी, और शीघ्र आने वाले रविवार के कानून से पहले भी फिर घटेगी, जिसका प्रतीक 22 अक्टूबर, 1844 है। दुर्भाग्य से, जो लोग निर्णय लेने के लिए उस घटना तक प्रतीक्षा करेंगे, वे स्वतः ही पहले से मुद्दे के गलत पक्ष का चुनाव कर चुके होंगे। एलियाह-दूत का चयन, अहाब, इज़ेबेल और उसके झूठे भविष्यद्वक्ताओं से उसके सामना होने से पहले होना चाहिए। जब आग ने एलियाह

की भेंट को भस्म करके पुष्टि कर दी, तब एलियाह ने झूठे भविष्यद्वक्ताओं का वध कर दिया।

झूठा भविष्यद्वक्ता बाइबिल की भविष्यवाणी का छठा राज्य है, और वह शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय छठे राज्य के रूप में अपने शासन का अंत करता है, जो वही बिंदु है जहाँ एलियाह ने झूठे भविष्यद्वक्ताओं का वध किया था। इसके बाद वर्षा की पूर्ण बौछार शुरू हुई। मिलराइट इतिहास में, दूत और उसका संदेश उन लोगों के विपरीत पहचाने गए, जो उस संदर्भ में धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद (जो एलियाह की गवाही में उल्लिखित झूठा भविष्यद्वक्ता है) के रूप में अपनी भूमिका निभाने लगे थे, और जो दुनिया को आर्मगेडन तक ले जाने वाली तीन शक्तियों में से एक है। परमेश्वर ने ठहराया कि 22 अक्टूबर, 1844 के बाद, नये सिरे से पहचाना गया सच्चा भविष्यसूचक आंदोलन पृथ्वी पर अपना कार्य पूरा करेगा, परंतु वह आंदोलन लाओदीकिया में परिवर्तित हो गया और थोड़े ही समय बाद "आंदोलन" रहना बंद कर दिया, क्योंकि वह एक कानूनी रूप से स्वीकृत कलीसिया बन गया।

पहले एलियाह के इन तत्वों को ध्यान में रखते हुए, अब हम दूसरे एलियाह की भविष्यवाणी-संबंधी विशेषताओं पर विचार करेंगे, ताकि हम यह पहचान और स्थापित कर सकें कि अंतिम दिनों का तीसरा एलियाह कौन है। यीशु ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को उस व्यक्ति के रूप में पहचाना जिसने पुराने नियम की अंतिम भविष्यवाणी को पूरा किया।

देखो, यहोवा के उस महान और भयावने दिन के आने से पहले मैं तुम्हारे पास भविष्यद्वक्ता एलियाह को भेजूंगा; और वह पितरों का हृदय पुत्रों की ओर, और पुत्रों का हृदय उनके पितरों की ओर फेरेगा, कहीं ऐसा न हो कि मैं आकर पृथ्वी को शाप से मारूँ। मलाकी 4:5, 6.

यद्यपि यीशु ने यूहन्ना को उस एलियाह के रूप में पहचाना जो आने वाला था, यूहन्ना ने आने वाले एलियाह की भविष्यवाणी के सभी तत्वों को पूरी तरह पूरा नहीं किया, क्योंकि तीसरा और अंतिम एलियाह प्रभु के महान और भयानक दिन से पहले आता है, जो सात अंतिम विपत्तियों का समय है, जिनका समापन मसीह के दूसरे आगमन से होता है। तथापि यूहन्ना दूसरा एलियाह था, और उसकी गवाही, पहले एलियाह की गवाही के साथ मिलकर, तीसरे और अंतिम एलियाह की पहचान कराती है और उसे स्थापित करती है।

जिस प्रकार एलियाह ने आधुनिक बाबुल के अजगर, पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता के तीन-भागी प्रतिनिधित्व का सामना किया, उसी प्रकार यूहन्ना का सामना एक रोमी शासक (हेरोदेस), एक अपवित्र स्त्री (हेरोदिया) और उसकी बेटी (सलोमी) से हुआ। कर्मल पर्वत 22 अक्टूबर, 1844 का प्रतिरूप था, जो आगे चलकर संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून का प्रतिनिधित्व करता है। रविवार के कानून के संकट के समय यह त्रिपक्षीय संघ स्थापित हो जाता है।

“परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए पोपसत्ता की संस्था को लागू करने वाली उस आज्ञा के द्वारा, हमारा राष्ट्र अपने को धार्मिकता से पूर्णतः पृथक कर लेगा। जब प्रोटेस्टेंटवाद उस खाई के पार अपना हाथ बढ़ाकर रोमी सत्ता का हाथ थाम लेगा, जब वह उस गर्त के ऊपर से बढ़कर आत्मवाद के साथ हाथ मिला लेगा, जब इस त्रिगुणी संघ के प्रभाव के अधीन हमारा देश एक प्रोटेस्टेंट और गणतंत्रीय शासन के रूप में अपने संविधान के प्रत्येक सिद्धांत का त्याग कर देगा, और पोपीय मिथ्याओं तथा भ्रमों के प्रसार के लिए प्रावधान करेगा, तब हम जान सकेंगे कि शैतान के अद्भुत कार्य करने का समय आ पहुँचा है और अंत निकट है।” टेस्टिमोनीज़, खंड 5, 451।

हेरोद की कथा में हम पाते हैं कि मूर्तिपूजक रोम के प्रतिनिधि के रूप में वह मूर्तिपूजक रोम के “दस राजाओं” का भी प्रतिनिधि है, और इस प्रकार वह प्रकाशितवाक्य सत्रह के उन दस राजाओं का प्रतीक है जो एक घड़ी के लिए अपना राज्य वेश्या को दे देते हैं। हेरोद का प्रतिरूप अहाब था। दोनों ऐसे विवाह संबंधों में थे जो अवैध थे। इस्राएल का होने के कारण अहाब के लिए किसी गैर-इसाएली स्त्री से विवाह करना निषिद्ध था, और हेरोद ने अपने भाई की पत्नी से विवाह कर लिया था। टायर और बाबुल की वेश्या का पृथ्वी के राजाओं के साथ व्यभिचार, अहाब और हेरोद के ईज़ेबेल और हेरोदिया के साथ अवैध संबंधों द्वारा दर्शाया गया है।

कर्मल पर्वत पर अहाब के साथ हुआ सामना हेरोद के जन्मदिन के उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया गया था। रविवार के कानून के समय संयुक्त राज्य अमेरिका बाइबलीय भविष्यवाणी में छठा राज्य होना बंद कर देता है, और दस राजा सातवाँ राज्य बन जाते हैं। सातवें राज्य के रूप में उनके जन्मदिन पर, हेरोद एक मदिरापान की दावत में हेरोदियास की बेटी सलोमी को अपने राज्य का आधा हिस्सा तक देने पर सहमत हो जाता है। दस राजा अपने राज्य को उस पशु को देने पर सहमत होते हैं, और वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे झूठे नबी (संयुक्त राज्य अमेरिका) द्वारा धोखा खा चुके हैं और आध्यात्मिक रूप से "मदहोश" हैं।

माउंट कर्मल पर झूठे भविष्यद्वक्ताओं ने छल करने के प्रयास में पूरे दिन नृत्य किया, और हेरोद के जन्मदिन के भोज में हेरोदियास की बेटी सालोमे ने नशे में धुत राजा को धोखा देने के लिए नृत्य किया। ऐसा करके हेरोदियास की बेटी ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को मार डालने की आहाब से आज्ञा ले ली। संयुक्त राज्य में रविवार के कानून के समय, संयुक्त राज्य समूची दुनिया को धोखे से इस बात के लिए राज़ी कर देगा कि वे पशु की एक विश्वव्यापी छवि को स्वीकार करें, जो एक ऐसे राज्य से बनी होगी जो आधी धार्मिक सत्ता और आधी राज्य सत्ता का मेल है। त्रिपक्षीय संघ का झूठा भविष्यद्वक्ता होने के नाते संयुक्त राज्य द्वारा संसार का यह धोखा, इज़ेबेल के भविष्यद्वक्ताओं के नृत्य और इज़ेबेल की बेटी (सालोमे) के नृत्य द्वारा पूर्वचित्रित किया गया था; क्योंकि इज़ेबेल कैथोलिकवाद है और धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद उसकी बेटियाँ हैं (सालोमे के रूप में)।

उत्पीड़न उस शीघ्र आने वाले रविवार के कानून पर आरम्भ होता है जो मृत्यु से जुड़ा है, जैसा कि दूसरे एलिव्याह का सिर काटकर हेरोदियास द्वारा प्रतीकित पापसी के लिए टोकरी में रखे जाने से दर्शाया गया है। उस समय पापसी का घातक घाव पूरी तरह चंगा हो जाता है, अब वह भुलाई नहीं जाती, और एक लाख चवालीस हज़ार की पताका उठाई जाने पर अन्तिम वर्षा बिना माप उँडेली जाती है। उसी समय तीसरे 'हाय' का इस्लाम प्रहार करता है, और बहुत-से जलों पर बैठी हुई महान व्यभिचारिणी का क्रमिक न्याय आरम्भ होता है। उसका दण्ड दोगुना किया जाता है।

और मैंने स्वर्ग से किसी और वाणी को यह कहते सुना, हे मेरी प्रजा, उसमें से निकल आओ, ताकि तुम उसके पापों में भागी न बनो, और उसकी विपत्तियों में से कुछ भी न पाओ। क्योंकि उसके पाप स्वर्ग तक पहुँच गए हैं, और परमेश्वर ने उसके अधर्मों को स्मरण किया है। जैसा उसने तुम्हें बदला दिया है, वैसा ही तुम भी उसे दो, और उसके कामों के अनुसार उसे दुगुना लौटाओ; जिस कटोरे को उसने भरकर दिया है, उसी में उसके लिए दुगुना भर दो। प्रकाशितवाक्य 18:4-6।

उसका दंड दोगुना है, क्योंकि अंधकार युग में सन 538 से 1798 तक उसने जो हत्याएँ की थीं, उनके लिए उसे अब तक दंड नहीं मिला था। पाँचवीं मुहर में, जिन्हें पापसी ने मार डाला था, उन्हें प्रतीकात्मक रूप से वेदी के नीचे दिखाया गया है; वे पूछते हैं कि परमेश्वर रोम की व्यभिचारिणी का न्याय कब करेगा, और उनसे कहा जाता है कि वे अपनी कब्रों में विश्राम करें, जब तक कि शहीदों का एक दूसरा समूह—जिन्हें उसी तरह मार डाला जाना है जैसे उन्हें मारा गया था—पूरा न हो जाए। जब उसका न्याय आएगा, तो वह दोगुना होगा, क्योंकि वह परमेश्वर की विश्वासयोग्य प्रजा की दो बार हत्या कर चुकी होगी।

और जब उसने पाँचवीं मुहर खोली, तो मैंने वेदी के नीचे उनकी आत्माएँ देखीं, जो परमेश्वर के वचन और उस गवाही के कारण जो वे रखते थे, मार डाले गए थे; और वे ऊँची आवाज़ में पुकारकर कह रहे थे, 'हे प्रभु, पवित्र और सच्चे, कब तक तू पृथ्वी पर रहने वालों का न्याय नहीं करेगा और हमारे लहू का बदला उनसे नहीं लेगा?' और उनमें से हर एक को श्वेत वस्त्र दिया गया; और उनसे कहा गया कि वे थोड़े समय तक विश्राम करें, जब तक उनके सहसेवक और उनके भाई भी, जो उनके समान मारे जाने वाले थे, की संख्या पूरी न हो जाए। प्रकाशितवाक्य 6:9-11।

सिस्टर वाइट पाँचवीं मुहर के शहीदों के वर्णन को रविवार के कानून के समय ठहराती हैं, जहाँ परमेश्वर का अन्य झुंड बाबुल से बाहर बुलाया जाता है, जो हेरोदेस का जन्मदिन का भोज है, जब दस राजा अपने सातवें राज्य को उस आठवें राज्य को देने पर सहमत होते हैं, जो सात में से एक है।

"जब पाँचवीं मुहर खोली गई, तो प्रकाशितवाक्य के लेखक यूहन्ना ने दर्शन में वेदी के नीचे उन लोगों का समूह देखा, जिन्हें परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह की गवाही के कारण मार डाला गया था। इसके बाद वे दृश्य आए जिनका वर्णन प्रकाशितवाक्य के अठारहवें अध्याय में किया गया है, जब विश्वासयोग्य और सच्चे लोगों को बाबुल से बाहर बुलाया जाता है। [प्रकाशितवाक्य 18:1-5, उद्धृत।]" मैनुस्क्रिप्ट रिलीज़ेस, खंड 20, 14.

जो लोग बाबुल से बाहर बुलाए जाते हैं, वे शहीदों के दूसरे समूह का हिस्सा हैं, जिनकी हत्या पोपतंत्र द्वारा की जाती है, जैसे हेरोदियास ने दूसरे एलियाह के साथ किया था। बहन वाइट पाँचवीं मुहर को भी अंतिम मुहर के खुलने पर रखती हैं।

'और जब उसने पाँचवीं मुहर खोली, तो मैंने वेदी के नीचे उन लोगों की आत्माओं को देखा, जो परमेश्वर के वचन के कारण और उस गवाही के कारण जिसे वे थामे हुए थे, मार डाले गए थे: और वे ऊँचे स्वर से पुकारकर कहने लगे, हे प्रभु, पवित्र और सत्य, कब तक तू पृथ्वी पर बसने वालों का न्याय नहीं करेगा और उनसे हमारे लोहू का बदला नहीं लेगा? और उनमें से हर एक को श्वेत वस्त्र दिए गए [उन्हें शुद्ध और पवित्र ठहराया गया]; और उनसे कहा गया कि वे थोड़ी देर और विश्राम करें, जब तक यह पूरा न हो जाए कि उनके संगी दास और उनके भाई भी, जो उनकी ही तरह मारे जाने वाले थे, वैसे ही मार डाले जाएँ' [प्रकाशितवाक्य 6:9-11]. यहाँ यूहन्ना के सामने ऐसे दृश्य प्रस्तुत किए गए थे, जो वास्तविकता में नहीं थे, परन्तु जो भविष्य के किसी समय में होने वाले थे।

"प्रकाशितवाक्य 8:1-4 उद्धृत।" मैनुस्क्रिप्ट रिलीज़ेज़, खंड 20, 197.

अंधकार युग में पोपतंत्र द्वारा हत्या किए गए लोगों की प्रार्थनाएँ "सातवीं मुहर" के खुलने पर "स्मरण" की जाती हैं, जो यह संकेत करता है कि "सातवीं मुहर" शीघ्र आने वाले रविवार के क्रानून के समय खोली जाती है, क्योंकि वहीं परमेश्वर उसकी अधर्मताओं को स्मरण करता है।

और मैं ने स्वर्ग से किसी और शब्द को यह कहते हुए सुना, हे मेरी प्रजा, उसमें से निकल आओ, ताकि तुम उसके पापों में सहभागी न हो, और उसकी विपत्तियों में से कुछ भी न पाओ। क्योंकि उसके पाप स्वर्ग तक पहुँच गए हैं, और परमेश्वर ने उसके अधर्मों को स्मरण किया है। जैसा उसने तुम्हें प्रतिफल दिया है, वैसा ही तुम भी उसे दो; और उसके कामों के अनुसार उसे दूना प्रतिफल दो: जिस कटोरे में उसने भरकर दिया है, उसी में उसके लिए दूना भर दो। प्रकाशितवाक्य 18:4-6.

पहला एलियाह उस टकराव का साक्षी है जो एक लाख चवालीस हजार और उस त्रि-गठबंधन के बीच होता है, जो अंत के दिनों में संसार को आर्मगेडन की ओर ले जाता है। दूसरा एलियाह (यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला) पहले एलियाह की गवाही को दोहराता और विस्तार देता है, और वे दोनों मिलकर (पंक्ति पर पंक्ति) तीसरे और अंतिम एलियाह की भविष्यसूचक विशेषताओं की पहचान करते और उन्हें स्थापित करते हैं। तीसरा एलियाह एक आरंभिक एलियाह (मिलर) और एक अंतिम एलियाह द्वारा प्रस्तुत किया गया है, क्योंकि प्रथम स्वर्गदूत का आंदोलन तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन में दोहराया जाता है।

परमेश्वर ने प्रकाशितवाक्य 14 के संदेशों को भविष्यवाणी की श्रृंखला में उनका स्थान दिया है, और उनका कार्य इस पृथ्वी के इतिहास के अंत तक रुकना नहीं है। पहले और दूसरे स्वर्गदूत के संदेश अब भी इस समय के लिए सत्य हैं, और जो इसके बाद आता है उसके साथ समानांतर चलना है। The 1888 Materials, 803, 804.

तीसरा एलियाह अल्फा और ओमेगा की छाप लिए हुए है, क्योंकि यह छाप आरंभ और अंत वाले एलियाह का प्रतिनिधित्व करती है। पहला और अंतिम दोनों एलियाह एक आंदोलन का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो या तो प्रकाशितवाक्य 14 के पहले या तीसरे स्वर्गदूत का है।

"यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का कार्य, और उन लोगों का कार्य जो अंतिम दिनों में एलियाह की आत्मा और सामर्थ्य में लोगों को उनकी उदासीनता से जगाने के लिए आगे बढ़ते हैं, अनेक दृष्टियों से एक ही है। उसका कार्य उस कार्य का एक प्रतिरूप है, जिसे इस युग में किया जाना चाहिए। मसीह धर्म के अनुसार जगत का न्याय करने

के लिए दूसरी बार आनेवाला है। परमेश्वर के वे दूत, जो संसार को दी जानेवाली अंतिम चेतावनी का संदेश वहन करते हैं, मसीह के दूसरे आगमन के लिए मार्ग तैयार करें, जैसे यूहन्ना ने उसके प्रथम आगमन के लिए मार्ग तैयार किया था। इस तैयारी के कार्य में, 'हर एक तराई भर दी जाएगी, और हर एक पहाड़ और पहाड़ी नीची की जाएगी; और जो टेढ़ा है वह सीधा किया जाएगा, और जो ऊबड़-खाबड़ स्थान हैं वे समतल किए जाएंगे,' क्योंकि इतिहास की पुनरावृत्ति होनी है, और एक बार फिर 'यहोवा का तेज प्रगट होगा, और सब प्राणी उसे एक संग देखेंगे; क्योंकि यहोवा के मुंह से यह निकला है।' Southern Watchman, March 21, 1905."

एलिय्याह का त्रिगुणी अनुप्रयोग, एलिय्याह और उससे संबद्ध आंदोलन तथा आधुनिक बाबुल की त्रिगुणी एकता के बीच के टकराव का प्रतिनिधित्व करता है। यह वाचा के दूत के लिए मार्ग तैयार करने वाले दूत के त्रिगुणी अनुप्रयोग से निकटता से संबंधित है, परन्तु वह रेखा आंदोलन और दूत की आंतरिक गतिशीलता का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों त्रिगुणी अनुप्रयोगों में, दूत और आंदोलन की तीसरी और अंतिम पूर्ति को अल्फा और ओमेगा द्वारा इस प्रकार दर्शाया गया है कि वे क्रमशः एक आरंभिक पूर्ति और एक अंतिम पूर्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तीसरा और अंतिम एलीयाह तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक लाख चवालीस हजार का आंदोलन है, जिन्हें एक ध्वज के रूप में ऊँचा उठाया जाएगा ताकि जब प्रकाशितवाक्य ग्यारह के महान भूकंप की घड़ी आ पहुँचे, तब बाबुल से बड़ी भीड़ को बाहर बुलाया जा सके। उस घड़ी से पहले, दूत और यह आंदोलन उस नकली आंदोलन के विपरीत पहचाने जाएँगे, जो शांति और सुरक्षा का अंतिम वर्षा का नकली संदेश प्रस्तुत करता है।

सच्चे और झूठे संदेश तथा संदेशवाहक के बीच का भेद संदेश की पूर्ति से पहचाना जाना चाहिए। ये लेख जुलाई 2023 के अंत में प्रकाशित होने लगे, और 7 अक्टूबर के नरसंहार से काफी पहले ही ये यह दर्शा रहे थे कि सच्चा 'अंतिम वर्षा' का संदेश 'तीसरी विपत्ति' के रूप में इस्लाम की पहचान करता है, और कि यह संदेश 11 सितंबर, 2001 को शुरू हुआ। लेखों ने यह भी दर्शाया कि प्रेरणा के अनुसार उस समय जो राष्ट्रों का क्रोधित होना आरंभ हुआ, वह प्रसव-वेदना में पड़ी स्त्री के समान था, और इसलिए पृथ्वी ग्रह पर आने वाले यह क्रोध और क्लेश परख के समय के समाप्त होने तक निरंतर बढ़ते रहेंगे।

हम अपने अगले लेख में अध्ययन जारी रखेंगे।

ओ, काश परमेश्वर की प्रजा को उन हजारों नगरों पर आने वाले आसन्न विनाश का एहसास होता, जो अब लगभग मूर्तिपूजा में डूबे हुए हैं! परन्तु जिन बहुतों को सत्य का प्रचार करना चाहिए, वे अपने भाइयों पर आरोप लगा रहे हैं और उन्हें दोषी ठहरा रहे हैं। जब परमेश्वर की परिवर्तित करने वाली शक्ति मनो पर आएगी, तो एक निर्णायक परिवर्तन होगा। लोगों में आलोचना करने और दूसरों को गिराने की प्रवृत्ति नहीं रहेगी। वे ऐसी स्थिति में खड़े नहीं होंगे जो दुनिया तक प्रकाश के पहुँचने में बाधा डाले। उनकी आलोचना, उनका दोषारोपण, समाप्त हो जाएगा। शत्रु की शक्तियाँ युद्ध के लिए एकत्र हो रही हैं। भीषण संघर्ष हमारे सामने हैं। मेरे भाइयों और बहनों, एकजुट हो जाओ, एकजुट हो जाओ। मसीह के साथ बंधो। 'तुम न कहो, सांठगांठ, . . . न उनके भय से डरो, न भयभीत हो। सेनाओं के प्रभु को आप ही पवित्र मानो; और वही तुम्हारा भय हो, और वही तुम्हारा डर बने। और वह तुम्हारे लिए एक शरणस्थान होगा; परन्तु इस्राएल के दोनों घरानों के लिए ठोकर खाने का पत्थर और ठेस खाने की चट्टान रहेगा, और यरूशलेम के निवासियों के लिए फंदा और जाल होगा। और उनमें से बहुत से ठोकर खाएँगे, गिरेंगे, टूटेंगे, फंदे में फँसेंगे, और पकड़े जाएँगे.'

दुनिया एक रंगमंच है। इसके अभिनेता, अर्थात् उसके निवासी, अंतिम महान नाटक में अपनी-अपनी भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे हैं। ईश्वर दृष्टि से ओझल हो गए हैं। मानव जाति के बड़े समूहों में कोई एकता नहीं है, सिवाय इसके कि लोग अपने स्वार्थी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आपस में गठजोड़ कर लेते हैं। ईश्वर देख रहे हैं। अपने विद्रोही प्रजाजनों के विषय में उनके उद्देश्य पूरे होकर रहेंगे। दुनिया मनुष्यों के हाथों में सौंपी नहीं गई है, यद्यपि ईश्वर कुछ समय के लिए भ्रम और अव्यवस्था के तत्वों को हावी होने दे रहे हैं। अधोलोक से आने वाली एक शक्ति इस नाटक के अंतिम महान दृश्य लाने के लिए काम कर रही है—शैतान मसीह के रूप में आ रहा है, और उन लोगों में हर प्रकार की अधर्मपूर्ण छल-कपट के साथ कार्य कर रहा है, जो गुप्त समाजों में आपस में बंध

रहे हैं। जो लोग गठबंधन के जुनून के आगे झुक रहे हैं, वे शत्रु की योजनाओं को अंजाम दे रहे हैं। कारण के बाद परिणाम आएगा।

अधर्मिता लगभग अपनी सीमा तक पहुँच चुकी है। भ्रम और अव्यवस्था ने संसार को भर दिया है, और शीघ्र ही मनुष्यों पर एक बड़ा आतंक आने वाला है। अंत बहुत निकट है। हम, जो सत्य को जानते हैं, हमें उस बात के लिए तैयार होना चाहिए जो शीघ्र ही एक अत्यंत अप्रत्याशित आघात की तरह संसार पर टूट पड़ेगी। रिव्यू एंड हेराल्ड, 10 सितंबर, 1903.